इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3064

3 मई, 2012 को उत्तर के लिए

इस्पात की कीमतों में वृद्धि

3064. श्री रामचन्द्र प्रसाद सिंह:
श्री रवि शंकर प्रसाद:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में वर्ष 2012 के जनवरी से मार्च के दौरान इस्पात की कीमतों में बढ़ोतरी की गयी है;

(ख) यदि हां, तो यह वृद्धि लगभग कितनी है;

(ग) क्या यह भी सच है कि इस मूल्य वृद्धि का मुख्य कारण कोयले के मूल्य में बढ़ोतरी के कारण रेल भाड़े की दर में की गई बढ़ोतरी है;

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं; और

(ड.) क्या उपरोक्त बढ़ोतरी देश के उपभोक्ताओं से वसूल की जा रही है ?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)

(क) और (ख): जनवरी, 2012 से मार्च, 2012 की अवधि के दौरान घरेलू बाजार में इस्पात मदों की कीमतों में उतार-चढ़ाव का रूख दिखाई दिया है। जनवरी, 2012 से मार्च, 2012 की अवधि के दौरान दिल्ली बाजार में इस्पात मदों की प्रतिनिधी श्रेणी के संबंध में मासिक आधार पर कीमतों में उतार-चढ़ाव के रूख नीचे दिए गए हैं:-

रूपये प्रति टन

	बिलेट्स 100 एमएम	टीओआर/टीएमटी/सीटीडी 10 एमएम	एचआर क्वाईल्स 2.00 एमएम	सीआर क्वाईल्स 0.63 एमएम	जीपी शीट्स (0.63 एमएम)
जनवरी-12	39010	46790	47530	52360	53580
फरवरी-12	39510	46790	47550	51680	53520
मार्च-12	39810	47670	47630	52040	52980

परिवहन, कर एवं शुल्कों सहित दिल्ली के बाजार में संकेतात्मक कीमतें

(स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी), इस्पात मंत्रालय)

(ग) से (ड.): इस्पात की कीमतों में उतार-चढ़ाव बाजार द्वारा किया जाता है और यह घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मांग और आपूर्ति के परिदृश्य, विश्व स्तर पर इस्पात की कीमतों के रूख, कच्ची सामग्री और मालभाड़ा आदि सहित विभिन्न आदानों की लागत जैसे अनेक घटकों पर निर्भर करता है।

****